गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय

नित-नूतन उपलब्धियों को हासिल करता विश्व-फ़लक पर चमकता सितारा

न्यूज़ लेटर

हिन्दी संस्करण

जनवरी-फरवरी 2025

www.gbu.ac.in

2025

www.gbu.ac.in

वर्ष : 2 अंक : 9

0 35545 62336 78 1

GBU

परिवर्तन एक अटल सत्य है और यह भूत और भविष्य का संधिस्थल होता है, इसी संधिस्थल को वर्तमान कहते हैं । वर्तमान समय में गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के पास कई महत्त्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल हैं, जैसे कि सीएसआर टॉप यूनिवर्सिटी ऑफ इंडिया पुरस्कार, इंजीनियरिंग रैंकिंग 2024 में पाचवाँ स्थान, एशिया एजुकेशन रिव्यु मैगज़ीन में टॉप शीर्ष दस विश्वविद्यालयों में स्थान, भारत में सर्वश्रेष्ठ एआई संस्थानों की रैंकिंग में प्रतिष्ठित तीसरा स्थान, सीएसआर-बी स्कूल सर्वेक्षण 2024 में भारत के शीर्ष सरकारी बिजनेस स्कूलों में स्कूल ऑफ मैनेजमेंट को 5वाँ स्थान तथा साथ ही गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कैंपस को 'ईट राइट कैंपस' के खिताब से नवाजा जाना आदि । यह सभी उपलब्धियाँ भविष्य के लिए स्वयं से चुनौती देती हुई नज़र आती हैं कि कैसे विश्वविद्यालय अपने लक्ष्य की प्राप्ति में और भी बेहतर हो सके।

दरअसल सफलता मंजिल नहीं, एक यात्रा होती है । यह यात्रा पहले की अपेक्षा और अधिक चुनौतीपूर्ण, अधिक परिष्कृत तथा अधिक योजनाबद्ध होनी चाहिए, तभी एक बेहतर भविष्य का निर्माण हो सकता है । गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय अपनी यात्रा के लिए प्रतिबद्ध है । विश्वविद्यालय की प्रगति के लिए रोडमैप में नए कोर्स को शामिल करना, शिक्षण तथा शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के लिए उज्ज्वल भविष्य, छात्रों के लिए बेहतर सुविधाएँ मुहैया करवाना लक्ष्य है । हिन्दी के महाकवि सूर्यकांत त्रिपाठी निराला के शब्दों में कहें तो "नव गति, नव लय, ताल-छंद नव, / नवल कंठ, नव जलद-मंद्ररव; / नव नभ के नव विहग-वृंद को / नव पर, नव स्वर" प्रदान करने की योजना है ।

इस वर्ष की शुरूआत में ही अकादमिक अंतर्दृष्टि पत्रिका द्वारा उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय को 'वर्ष 2024 का सबसे प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय' पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया है । इंटरनेशनल स्किल डेवलपमेंट काउंसिल (ISDC) द्वारा स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी को आईएसडीसी इंटरनेशनल एक्सीलेंस अवार्ड – "बेस्ट बायोटेक रिसर्च इंस्टीट्यूट इन इंडिया" से सम्मानित किया गया, समाज कार्य विभाग को नेशनल एसोसिएशन ऑफ़ प्रोफेशनल सोशल वर्कर्स इन इंडिया द्वारा संस्थागत सदस्यता प्राप्त हुई है । इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय के कई फेकल्टीज़ को 'रिसर्च एक्सीलेंस अवार्ड-2023', तथा 'अंतर्राष्ट्रीय उत्कृष्टता पुरस्कार' प्राप्त हुए हैं ।

विश्वविद्यालय में आयोजित विभिन्न सम्मेलन, संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, एफडीपी, जागरूकता अभियान ('कॉग्निटिव कंप्यूटिंग इन इंजीनियरिंग, कम्युनिकेशंस, साइंसेज एंड बायोमेडिकल हेल्थ इन्फॉर्मेटिक्स (IC3ECSBHI-2025)' तीन दिवसीय आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, पंडित दीन दयाल उपाध्याय के दर्शन पर दो दिवसीय सेमीनार, 'हैण्ड्स-ऑन वर्कशॉप ऑन बायोप्रोसेसिंग एंड बायोमैन्युफैक्चरिंग : फ्रॉम फण्डामेंटल टू इन्डस्ट्रियल अप्लीकेशन्स', 'डिकोडिंग ट्रांसक्रिप्टोमिक्स' कार्यशाला, सेहत के लिए योग और माइंडफुलनेस मेडिटेशन, सुत्तपिटक पालि में बौद्ध दर्शन का सामाजिक-नैतिक दृष्टिकोण आदि विषयों पर कार्यशालाएँ, 'हैण्ड्स-ऑन वर्कशॉप ऑन बायोप्रोसेसिंग एंड बायोमैन्युफैक्चरिंग : फ्रॉम फण्डामेंटल टू इन्डस्ट्रियल अप्लीकेशन्स', साइबर सुरक्षा, ब्लॉकचेन और एआई में अनुसंधान के रुझान" पर एफडीपी, विधिक जागरूकता अभियान, दान अभियान, रक्तदान अभियान, बौद्धिक संपदा अधिकारों पर राष्ट्रीय जागरूकता कार्यक्रम) आदि के माध्यम से विश्वविद्यालय अपनी समस्त योजनाओं के साथ यात्रा में निकल चुका है, कुछ और बेहतर करने के लिए, कुछ और बेहतर प्राप्ति के लिए...

कुलपति रवीन्द्र कुमार सिन्हा, कुलसचिव विश्वास त्रिपाठी तथा अन्य

नव वर्ष मिलन समारोह : गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में नव वर्ष के उपलक्ष्य में 1 जनवरी को एक भव्य मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें विश्वविद्यालय के तत्कालीन कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा और कुलसचिव डॉ. विश्वास त्रिपाठी तथा समस्त संकाय के शिक्षण तथा शिक्षणेत्तर सदस्य शामिल रहें।

कार्यक्रम के दौरान तत्कालीन कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा ने 2024 में विश्वविद्यालय की विभिन्न उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने विशेष रूप से निम्नलिखित महत्वपूर्ण उपलब्धियों का उल्लेख किया: एआई केंद्र के लिए आवंटित 50 करोड़ रुपये में से 25 करोड़ रुपये विश्वविद्यालय कोष में स्थानांतरित किए गए, आईबीएम के सहयोग से डेटा साइंस और बिज़नेस एनालिटिक्स कार्यक्रम की शुरुआत, अमेरिका के डायटन विश्वविद्यालय के साथ मिलकर ऑल्टो-इलेक्ट्रॉनिक्स की पढ़ाई की शुरुआत, विश्वविद्यालय में रिकॉर्ड संख्या में नामांकन, डीजीसीए द्वारा ड्रोन ट्रेनिंग पायलट सर्टिफिकेट जारी करने का अधिकार प्राप्त आदि । इस आयोजन ने विश्वविद्यालय परिवार के बीच आपसी संबंधों को और मजबूत किया। कार्यक्रम में शिक्षकों और कर्मचारियों ने नव वर्ष के लिए नए उत्साह और प्रतिबद्धता के साथ काम करने का संकल्प लिया।

****

सावित्री बाई फुले जयंती

सावित्रीबाई फुले जयंती : 3 जनवरी को सावित्री बाई फुले महिला छात्रावास में सावित्री बाई फुले की जयंती का आयोजन हुआ । जिसमें छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अंतर्गत व्याख्यान, नृत्य, संगीत तथा सावित्री बाई फुले के जीवन पर नाटक प्रस्तुत किया । इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. मनमोहन सिंह सिसोदिया, पुरूष छात्रावास के मुख्य अभिरक्षक डॉ. सुभोजित बनर्जी, सावित्री बाई फुले महिला छात्रावास की अभिरक्षिका डॉ. प्रियदर्शिनी मित्रा सहित अन्य छात्रावासों की अभिरक्षिकाओं तथा छात्राओं सावित्री बाई फुले के जीवन तथा योगदान पर चिंतन-मनन किया ।

****

कंचन मेटल्स का दौरा के अवसर पर

कंचन मेटल्स का दौरा : 6 जनवरी को गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के छात्रों और संकाय सदस्यों के एक प्रतिनिधिमंडल ने विनिर्माण प्रक्रिया का वास्तविक जीवन का अनुभव और व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करने के लिए पाठ्यक्रम के भाग के रूप में हाल ही में कंचन मेटल्स का दौरा किया। खाद्य प्रसंस्करण एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित इस दौरे का उद्देश्य एक औद्योगिक सेटअप के संचालन में अंतर्दृष्टि प्रदान करना था।

इस दौरान छात्रों को कच्चे माल की खरीद से लेकर उत्पादों के अंतिम प्रसंस्करण तक तथा पैकेज्ड स्नैक्स मैड एंगल्स और टेढ़े मेढ़े के उत्पादन के विभिन्न चरणों की जानकारी दी गई । दौरे की शुरुआत प्रवीण कुमार, गुणवत्ता विश्लेषक द्वारा एक परिचयात्मक सत्र के साथ हुई, जिन्होंने कंपनी के इतिहास, विजन और संचालन का अवलोकन किया। इसके बाद विश्वविद्यालय की टीम ने उत्पादन इकाई, गुणवत्ता नियंत्रण अनुभाग और पैकेजिंग इकाई सहित विभिन्न प्रभागों का दौरा किया। इस यात्रा का एक मुख्य आकर्षण एक्सट्रूडर सहित उन्नत मशीनरी के कामकाज को देखना और सुरक्षा प्रोटोकॉल के बारे में जानना था, जो एक सुरक्षित कार्य वातावरण सुनिश्चित करते हैं।

जीबीयू के संकाय समन्वयक डॉ. नितिन सोनकर और डॉ. विनीता शर्मा ने युवा प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के महत्व पर जोर दिया और छात्रों को औद्योगिक क्षेत्र में नवाचार को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। यह यात्रा न केवल जीबीयू प्रतिनिधिमंडल के लिए एक सीखने का अनुभव था, बल्कि एक मजबूत उद्योग-अकादमिक गठबंधन बनाने की दिशा में एक कदम भी था।

****

विषय विशेषज्ञ रेखा सारस्वत, आईसीटी के फेकल्टीज़ एवं विद्यार्थी

पांच दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम : 7 जनवरी को स्कूल ऑफ इंफॉर्मेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी और एसोसिएशन इंडियन यूनिवर्सिटीज ने ऑनलाइन मोड में "साइबर सुरक्षा, ब्लॉकचेन और एआई में अनुसंधान के रुझान" पर पाँच-दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य संकायों और अनुसंधान विद्वानों को सुरक्षित डिजिटल वातावरण के महत्वपूर्ण महत्व को पहचानने के लिए खुद को अपडेट करने में मदद करने के लिए एआईयू के सहयोग से पहल करना था और अपने विशाल ऑनलाइन समुदाय की सुरक्षा करना था। इस कार्यक्रम के पहले दिन, कार्यक्रम में साइबर सुरक्षा और डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम-2023 पर परिचयात्मक सत्रों सहित कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। C-DAC के विशेषज्ञ रेखा सारस्वत ने विभिन्न प्रकार के साइबर हमलों के बारे में जानकारी प्रदान की, जिसमें मैलवेयर, इसके लक्षण और हमलावरों की मानसिकता शामिल थी। एनआईसी के विशेषज्ञ ने डॉस (DoS) और डीडीओएस (DDoS) हमलों जैसे विभिन्न हमलों, क्लाउड कंप्यूटिंग सुरक्षा पर चर्चा की गई, जिनमें उनके प्रभाव और निवारण तकनीकों पर प्रकाश डाला गया।

इस कार्यक्रम के प्रमुख संरक्षक एआईयू की नोडल अधिकारी डॉ. निधि पाल, अधिष्ठाता डॉ. अर्पित भारद्वाज, प्रोफेसर संजय कुमार शर्मा, सीएसई के विभागाध्यक्ष डॉ. अरुण सोलंकी, आईटी की विभागाध्यक्ष डॉ. नीता सिंह, डॉ. बरखा, डॉ. सुशील सहित संकाय के फेकल्टीज़ और विद्यार्थियों ने शैक्षिक पेशेवरों को साइबर सुरक्षा के बढ़ते और बदलते संकटों का सामना करने के लिए सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने संबंधी विषयों पर चिंतन मनन किया ।

****

इंजीनियर नरिंदर सिंह जस्सल सभा को संबोधित करते हुए

इनोवेटर्स मीट-2025 : 8 जनवरी को गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूशन्स इनोवेशन काउंसिल (IIC-GBU) द्वारा 'इनोवेटर्स मीट' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य नवाचार, उद्यमिता और स्टार्टअप्स के लिए फंडिंग एवं ग्रांट्स के अवसरों पर चर्चा करना था।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता इंजीनियर नरिंदर सिंह जस्सल, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक, सीएसआईआर-सीएसआईओ (सेंट्रल साइंटिफिक इंस्ट्रूमेंट्स ऑर्गनाइजेशन) चंडीगढ़ रहें। उन्होंने प्रिज्म योजना (प्रमोटिंग इनोवेशन्स इन इन्डीव्युज्युल्स, स्टार्ट-अप्स एंड एमएसएमईएस) के तहत स्टार्टअप्स और इनोवेटर्स के लिए 10 लाख रुपये से 70 लाख रुपये तक की अशर्त अनुदान राशि के बारे में जानकारी दी। डॉ. विशाल सुरेश चंदाने, वैज्ञानिक, बिजनेस डेवलपमेंट ग्रुप, सीएसआईओ, डॉ. नवदीप सिंह, निदेशक, वर्ल्ड स्पेस काउंसिल, कुरुक्षेत्र, ने भी इनोवेटर्स को अपने विचारों को वास्तविकता में बदलने के लिए सुझाव दिए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा ने इनोवेटर्स को प्रेरित करते हुए कहा कि भारत में स्टार्टअप्स के लिए एक सशक्त पारिस्थितिकी तंत्र (इको-सिस्टम) विकसित हो रहा है और युवा इनोवेटर्स को इसका लाभ उठाना चाहिए । डॉ. शक्ति साही, प्रमुख, आईपीआर सेल, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय ने भारत में पेटेंट के महत्व और उनके लिए उपलब्ध अनुदान अवसरों पर प्रकाश डाला। डॉ. सतीश कुमार मित्तल, प्रमुख, एआईसी-जीबीयू इनक्यूबेशन सेंटर ने उत्तर प्रदेश और भारत सरकार की विभिन्न अनुदान योजनाओं की जानकारी दी।

इस अवसर पर कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. निधि पाल सिंह, वरिष्ठ फैकल्टी, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग, डॉ. इंदु उप्रेती, अधिष्ठाता, प्लानिंग एंड रिसर्च, डॉ. कीर्ति पाल, अधिष्ठाता, स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग, डॉ. ओमबीर सिंह दहिया, प्रमुख, अर्थशास्त्र विभाग और अन्य प्रतिष्ठित फैकल्टी सदस्यों एवं छात्रों ने 'इनोवेटर्स मीट' में नवाचार और उद्यमिता, उपलब्ध सरकारी योजनाओं और अनुदान अवसरों के विषय में चर्चाएँ कीं।

****

पंडित दीन दयाल उपाध्याय के दर्शन पर संगोष्ठी के अवसर पर

पंडित दीन दयाल उपाध्याय के दर्शन पर दो-दिवसीय संगोष्ठी : 10-11 जनवरी को पंडित दीन दयाल उपाध्याय के दर्शन पर दो

दिवसीय संगोष्ठी का सफल आयोजन सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के अध्यक्ष पद्मश्री रामबहादुर राय ने कहा कि भारतवर्ष के 'स्व' को जागृत करना पंडित दीन दयाल उपाध्याय के दर्शन का मूल आधार है, क्योंकि हमारा भविष्य हमारी कल्पनाओं और हमारी मुट्ठी में है। "पंडित दीन दयाल उपाध्याय ने अपने दर्शन में एक मूल मंत्र दिया है 'परिष्कार के लिए पुरस्कार' यानी जो वर्तमान स्वरूप है उसमें लगातार परिष्कार होते रहना चाहिए।

भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद की निदेशक डॉ. पूजा व्यास ने उद्बोधन किया कि पंडित दीन दयाल उपाध्याय के दर्शन पर समर्पित ऐसी सफल संगोष्ठियों के माध्यम से ही हम एकात्म मानववाद के दर्शन पर चल कर भारतीय ज्ञान परंपरा को आगे बढ़ा सकते हैं। गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रवींद्र कुमार सिन्हा ने कहा कि पंडित दीन दयाल उपाध्याय जी के दर्शन पर आयोजित ऐसे सेमीनार सिर्फ मानविकी और सामाजिक विज्ञान संकाय तक ही सीमित न होकर, विज्ञान और अन्य संकायों के लिए भी प्रेरणादायी और अनुकरणीय है।

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय की अधिष्ठाता प्रो. बंदना पाण्डेय के संयोजन और नेतृत्व में आयोजित इस राष्ट्रीय सेमीनार के दूसरे दिन के पैनल डिस्कशन को स्वामी विवेकानंद को समर्पित किया गया और उनके जीवन दर्शन पर आधारित एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म का प्रदर्शन किया गया । इस पैनल डिस्कशन की अध्यक्षता आर्गेनाइजर पत्रिका के संपादक प्रफुल्ल केतकर ने किया तथा इस पैनल में जेएनयू के प्रो. सांतेश कुमार सिंह, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. भुवन झा और डॉ. वेदमित्र शुक्ल समेत कई विद्वान शामिल रहें।

पूर्वोत्तर पर्वतीय विश्वविद्यालय, शिलांग के डॉ. ओमप्रकाश, हिंदू स्टडी के विभागाध्यक्ष डॉ. विवेक कुमार मिश्र एवं राजनीति विज्ञान एवं अंतर्राष्ट्रीय संबंध के विभागाध्यक्ष डॉ. पंकज दीप, मनोविज्ञान के विभागाध्यक्ष डॉ. आनंद प्रताप सिंह, जनसंचार एवं मीडिया अध्ययन विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. विनीत कुमार, मिस करुणा सिंह, डॉ. विमलेश कुमार, डॉ. कुमार प्रियतम एवं डॉ. प्रतिमा, अंग्रेजी विभाग की डॉ. मंजरी सुमन, डॉ. बिपासा सोम सहित संकाय के विभिन्न सदस्य तथा अलग-अलग राज्यों से आए लगभग 242 प्रतिभागियों ने वैचारिक विमर्श में शामिल होकर अपना ज्ञान बढ़ाया ।

****

'रोडमैप टी बिग टेक' का आयोजन : 13 जनवरी को अकादमिक एवं उद्योग के बीच खाई पाटने के उद्देश्य कम्प्यूटर साइंस और इंजीनिरिंग विभाग ने एक विशेषज्ञ व्याख्यान 'रोडमैप टी बिग टेक' का आयोजन किया । इस कार्यक्रम के प्रमुख वक्ता लंदन की प्रमुख आई.टी. कम्पनी में कार्यरत श्री अंकुर मलिक रहें। इस व्याख्यान में श्री मलिक ने अकादमिक तैयारी, साक्षात्कार तैयारी करने की रणनीतियाँ, साक्षात्कार प्रक्रिया में महारत हासिल करना, अपने पेशेवर प्रोफाइल को सशक्त बनाना और नवीनतम् विकास से अपडेट रहना आदि पर महत्त्वपूर्ण चर्चा की गई । इस कार्यक्रम में समन्वयक डॉ. शिराज खुराना सहित डॉ. राजू, डॉ. अरूण सोलंकी, डॉ. गौरव कुमार,डॉ. विनय लिटोरिया, डॉ. राकेश कुमार, सुश्री ज्योति सहित लगभग सौ छात्र उपस्थित रहें ।

****

अधिष्ठाता प्रो. बंदना पाण्डेय के साथ अन्य

लोहड़ी उत्सव : 13 जनवरी को मानविकी और सामाजिक विज्ञान संकाय में अधिष्ठाता प्रो. बंदना पांडे के मार्गदर्शन में गर्मजोशी और उत्साह के साथ लोहड़ी मनायी गई। संकाय सदस्यों ने अग्नि में मुँगफली, रेवड़ी अर्पित किया तथा गीत, लोकगीत और कविता-पाठ के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह कार्यक्रम सांस्कृतिक परंपराओं को दर्शाता है तथा इसे खुशी और सौहार्द के साथ मनाया।

****

आईईई आईसी3सीएसबीएचआई-2025 अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन की झलकियाँ

आईईई ईसी3सीएसबीएचआई-2025 अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन : 16 से 18 जनवरी तक गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में 'कॉग्निटिव कंप्यूटिंग इन इंजीनियरिंग, कम्युनिकेशंस, साइंसेज एंड बायोमेडिकल हेल्थ इन्फॉर्मेटिक्स (IC3ECSBHI-2025)' तीन दिवसीय आईईईई (IEEE) अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन सम्पन्न हुआ ।

इस सम्मेलन में मुख्य अतिथि प्रो. एस.एन. सिंह (डायरेक्टर, आईआईआई टी एम, ग्वालियर, भारत), विशिष्ट अतिथि डॉ. वाई ई लीऑनग (उप-कुलपति, आईएनटीआई इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, मलेशिया), प्रो. किशोर एस. त्रिवेदी (हडसन डिस्टिंगग्विश्ट, ड्यूक कांशन यूनिवर्सिटी, यूएसए), डॉ. अंचित बीजलवाँ (ब्रिटिश यूनिवर्सिटी, वियतनाम) डॉ. अजय शर्मा (यूनिवर्सिटी ऑफ माल्टा, यूरोप, बेल्जियम) सम्मानित अतिथि प्रो. विनोद कुमार (पूर्व उपकुलपति, जेआईआईटी सोलन, भारत) प्रो. रिहान (डायरेक्टर जनरल नैशन इंस्टिट्यूट ऑफ सोलर एनर्जी) रहें।

इस सम्मेलन के तीनों दिन में कुल मिलाकर 12 ट्रैक और 34 स्पेशल ट्रैक शामिल थे, जिसमें देश-विदेश से प्रमुख वक्ता, सत्र अध्यक्ष, ट्रैक अध्यक्ष, अमेरिका, वियतनाम और बेल्जियम, ओमान, कतार, बांग्लादेश एवं अन्य देशों के अंतरराष्ट्रीय मेहमानों सहित 350 से अधिक लेखक, प्रतिनिधि, समीक्षक और प्रस्तुतकर्ता विश्वभर से प्रतिभाग लिया । इन तीन दिनों में देश-विदेश के शोधार्थियों, प्राध्यापकों, विशेषज्ञों, विद्वानों द्वारा आर्टिफ़िशियल इन्टेलिजन्स, मोबाईल रोबोटिक्स , ब्रेन कंप्युटर इंटरफेसेस , द कन्वर्शन ऑफ एआई ऑन द बैसिस ऑफ टेक्नोलॉजी एण्ड एज कम्प्यूटिंग फॉर इंडस्ट्री 4.0, मॉडर्न गेम डेवलपमेंट, टू व्हीलर विहीकल विद वायरलेस कम्यूनिकेशन, ऑइल पाईप-लाइन विद क्लाउड-बेस्ड डाटा विजुलाइज़ेसन आदि विषयों पर लगभग सवा तीन सौ उत्कृष्ट शोध-पत्र पढ़े गए। इस सम्मेलन में 'समकालीन विज्ञान और प्रौद्योगिकी की प्रगति' पर विस्तार से चर्चा की गई । यह सम्मेलन कॉग्निटिव कंप्यूटिंग के एकीकृत समाधानों के माध्यम से इंजीनियरिंग, कम्युनिकेशंस, विज्ञान और स्वास्थ्य देखभाल के जटिल मुद्दों के समाधान पर केंद्रित था।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा ने कहा, "यह सम्मेलन IC3ECSBHI-2025 ऐतिहासिक महत्व रखता है, जो शोध के क्षेत्र में मानक तैयार करेगा और उत्तर प्रदेश क्षेत्र में IEEE के प्रति जागरूकता और नेटवर्किंग को बढ़ावा देगा"।

सम्मेलन के पहले दिन शाम में गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के सांस्कृतिक परिषद के छात्रों द्वारा एक मनोहारी सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। 18 जनवरी को समापन में मुख्य अतिथि डॉ. धीरेंद्र बंसल , विशिष्ट अतिथि प्रो. इकरम खान, सम्मानित अतिथि डॉ. वाई ई लिऑनग रहें।

कार्यक्रम के सफलता के विषय में कार्यक्रम के संयोजक डॉ. एम. ए. अंसारी ने कहा, "इस तीन दिवसीय सम्मेलन में कई महत्वपूर्ण शोध पत्र पढ़े गये जो कि निश्चित ही इंजीनियरिंग के क्षेत्र में विकास को एक कदम और आगे बढ़ाने में सहायक है और शोध के लिए मानक तैयार करता है" ।

सम्मेलन के जनरल चेयर डॉ. एम.ए. अंसारी, समस्त संयोजक डॉ. कीर्ति पाल (अधिष्ठाता, स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग), डॉ. ओम वीर (विभागाध्यक्ष, स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग), डॉ. ओमवीर सिंह (विभागाध्यक्ष, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग) सहित विश्वविद्यालय के समस्त संकायों के फेकल्टीज़ एवं छात्र-छात्राओं ने कार्यक्रम को सफल बनाया ।

****

फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम में प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा तथा अन्य

फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम : 20 से 24 जनवरी तक जैव प्रौद्योगिकी विद्यालय द्वारा भारतीय विश्वविद्यालय संघ (AIU) और संस्थान नवाचार परिषद (IIC) के सहयोग से 'हैण्ड्स-ऑन वर्कशॉप ऑन बायोप्रोसेसिंग एंड बायोमैन्युफैक्चरिंग : फ्रॉम फण्डामेंटल टू इन्डस्ट्रियल अप्लीकेशन्स' विषय पर एक फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम बायोप्रोसेसिंग, बायोमैन्युफैक्चरिंग, बायोरिएक्टर संचालन, जैव नवाचारों का मॉडलिंग और अनुकूलन और उन्नत डाउनस्ट्रीम प्रोसेसिंग जैसे विषयों पर केंद्रित था।

इस अवसर पर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली के जैव रासायनिक इंजीनियरिंग और जैव प्रौद्योगिकी विभाग के प्रख्यात वैज्ञानिक तथा कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्रो. के.जे. मुखर्जी ने अपने संबोधन में मूलभूत और अनुवादीय अनुसंधान और अंतर्विषयक टीम निर्माण के बीच के महत्वपूर्ण संबंध पर बल दिया और बायोप्रोसेसिंग प्रौद्योगिकियों और उनके औद्योगिक

अनुप्रयोगों पर व्यापक दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा ने प्रौद्योगिकी विकास, नवाचार-चालित शिक्षा और व्यावहारिक प्रशिक्षण के महत्व को रेखांकित किया, ताकि प्रतिभागियों को बायोइंडस्ट्री में औद्योगिक और अनुसंधान प्रगति के लिए तैयार किया जा सके। जैव प्रौद्योगिकी विद्यालय के अधिष्ठाता प्रो. एन.पी. मलकानिया ने सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए अंतर्विषयक सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया। डॉ. निधि सिंह, नोडल अधिकारी, एआईयू ने इस कार्यशाला को सहयोग और अनुसंधान क्षेत्रों में अंतर्दृष्टि प्राप्त करने के लिए एक मंच के रूप में आयोजित करने में एआईयू और एएडीसी की भूमिका पर प्रकाश डाला।

इस कार्यशाला में डॉ. के. नरसिम्हुलु (नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, वारंगल), डॉ. रामगोपाल राव एस (बायोकॉन अकादमी, बेंगलुरु), प्रो. निधी चौधरी (एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा) और डॉ. करण कुमार (इंडस्ट्रियल सिस्टम्स बायोटेक्नोलॉजी ग्रुप, जर्मनी) शामिल रहें। इस एफडीपी के संयोजक मंडल, डॉ. बरखा सिघल, डॉ. रेखा पुरिया और डॉ. निशा गौड़ और फैकल्टी समन्वयकों, डॉ. इति शर्मा, डॉ. जितेंद्र सिंह और डॉ. विक्रांत नैन ने बायोमैन्युफैक्चरिंग में समकालीन चुनौतियों और उन्नत प्रगति पर व्यापक व्यावहारिक प्रशिक्षण और विशेषज्ञ चर्चा के माध्यम से समस्त सत्रों को ज्ञानवर्द्धक बनाया ।

****

सभा को संबोधित करते हुए प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा

उधमशीलता जागरूकता शिविर : 22 जनवरी को गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय में एक दिवसीय उद्यमिता जागरूकता शिविर का आयोजन सम्पन्न हुआ। यह कार्यक्रम गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय और भारत सरकार के लघु एवं सूक्ष्म उद्योग मंत्रालय के संयुक्त तत्वावधान में हुआ। इस कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि, एमएसएमई ओखला के संयुक्त निदेशक डॉ. आर के भारती ने छात्रों को भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी और उन्होंने बताया कि सफलता के लिए जीवन को चार 'डी' से संचालित करना चाहिए – डिजायर, डायरेक्शन, डिसिप्लिन और डेडिकेशन। सह निदेशक डॉ. डीएस तोमर ने सूक्ष्म मंत्रालय की योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। मुख्य अतिथि तथा गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर रवीन्द्र कुमार सिन्हा ने छात्रों से संवाद करते हुए कहा, "आज की आवश्यकता ऐसे उद्यमियों की है, जो भारत के लिए गूगल और माइक्रोसॉफ्ट जैसे उत्पाद तैयार करें। हमारे देश की बड़ी आबादी हमें व्यापार के नए अवसर प्रदान करती है। उद्यमिता के लिए रिस्क प्रबंधन और रचनात्मकता अनिवार्य है। हमें वित्तीय जागरूकता भी जरूरी है।"

प्रबंधन विभाग की अधिष्ठाता डॉ. इंदू उप्रेती ने सभी का स्वागत किया और छात्रों को उद्यमिता में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। प्रबंधन विभाग के फेकल्टी तथा कार्यक्रम के संयोजक डॉ. नवीन ने कहा, "भारत को विकसित बनाने के लिए हमें स्वरोजगार के रास्ते को अपनाना होगा। जितना अधिक छात्र उद्यमिता की दिशा में काम करेंगे, उतना ही देश की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।" इस कार्यक्रम में शारदा विश्वविद्यालय से डॉ. अमित सहगल, उद्यमी विवेक कुमार, केनरा बैंक के इंदू जायसवाल, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के प्रोफेसर श्वेता आनंद, डॉ. वर्षा दीक्षित, डॉ. सतीश मित्तल, डॉ. विनय लिटोरिया, डॉ. लवी सारीकवाल, रागिनी, अर्चना और छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहें। इस शिविर ने छात्रों में उद्यमिता के प्रति जागरूकता उत्पन्न की और उन्हें स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया।

****

वैज्ञानिक डॉ. बालामती चौधरी के साथ स्कूल ऑफ आईसीटी के फेकल्टीज़

वैज्ञानिक लेखन पर विशेषज्ञ व्याख्यान : 22 जनवरी को स्कूल ऑफ आईसीटी द्वारा वैज्ञानिक लेखन पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिष्ठित वक्ता स्प्रिंगर नेचर की संपादकीय निदेशक स्वाति मेहरिशी और सीएसआईआर-नेशनल एयरोस्पेस लेबोरेटरीज (एनएएल) की प्रधान वैज्ञानिक डॉ. बालामती चौधरी शामिल हुईं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को वैज्ञानिक लेखन की नैतिकता, कार्यप्रणाली और महत्वपूर्ण पहलुओं के बारे में शिक्षित करना था, जिसमें आईसीटी स्कूल के भीतर शोध पत्र प्रकाशनों को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। स्कूल ऑफ आईसीटी के अधिष्ठाता डॉ. अर्पित भारद्वाज ने इस कार्यक्रम को अत्यधिक संवादात्मक और प्रभावशाली बताया तथा भविष्य में एक मजबूत शोध संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए इसी तरह के व्याख्यान आयोजित करने की संस्थान की प्रतिबद्धता पर भी जोर दिया। इस कार्यक्रम की समन्वयक तथा ईसीई की विभागाध्यक्ष डॉ. विदुषी शर्मा, आईटी की विभागाध्यक्ष डॉ. नीता सिंह और सीएसई के विभागाध्यक्ष डॉ. अरुण सोलंकी, सह-समन्वयक डॉ. अन्नू सिंह और डेजी सिंह ने प्रभावी वैज्ञानिक लेखन और शोध में अखंडता बनाए रखने के महत्व पर प्रकाश डाला। छात्रों ने सार्थक चर्चाओं में भाग लिया, जिससे उनके शैक्षणिक और शोध लेखन कौशल को बढ़ाने के लिए बहुमूल्य ज्ञान प्राप्त हुआ।

****

बायें से डॉ. राहुल कपूर, प्रो.बंदना पाण्डेय, डॉ. आनंद प्रताप सिंह तथा डॉ. विमलेश

समाज कार्य विभाग को मिली नेशनल एसोसिएशन ऑफ़ प्रोफेशनल सोशल वर्कर्स इन इंडिया की संस्थागत सदस्यता : 23 जनवरी को समाज कार्य विभाग को नेशनल एसोसिएशन ऑफ़ प्रोफेशनल सोशल वर्कर्स इन इंडिया द्वारा संस्थागत सदस्यता प्राप्त हुई । इस सदस्यता के प्राप्त होने से गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय को अब भारतीय राष्ट्रीय समाज कार्य सम्मेलन कराने की योग्यता प्राप्त हो जायेगी । भारतीय राष्ट्रीय समाज कार्य सम्मेलन समाज कार्य के क्षेत्र में होने वाली सबसे बड़ा सम्मेलन होता है जो प्रत्येक वर्ष आयोजित किया जाता है ।

****

डॉ. के.के. द्विवेदी सभा को संबोधित करते हुए

राष्ट्रीय बालिका दिवस : स्कूल आफ़ लॉ, जस्टिस एंड गवर्नेन्स में राष्ट्रीय बालिका दिवस कार्यक्रम का आयोजन 24 जनवरी को सम्पन्न हुआ । कार्यक्रम का आयोजन सांस्कृतिक समिति, नि:शुल्क विधिक सहायता केंद्र एवं प्रो. बोनो क्लब द्वारा आयोजित किया गया। जिसमें बालिकाओं के अधिकारों की चर्चा के साथ उनके सशक्तिकरण का उत्सव मनाया गया । इस अवसर पर संकाय के अधिष्ठाता डॉ. के.के. द्विवेदी द्वारा स्वागत भाषण दिया गया । उन्होंने इस दिन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इस आयोजन को हमारी बालिकाओं को सशक्त बनाने और उनकी सुरक्षा के लिए आवश्यक बताते हुए अनुच्छेद 15 (3) पर जोर दिया, जो भारत में महिलाओं के अधिकारों को बताता है।

इसके बाद सभी को प्रेरित करने के लिए अग्रणी भारतीय महिलाओं की उपलब्धियों को प्रदर्शित करने वाला एक वीडियो प्रदर्शित किया गया। तत्पश्चात् बालिकाओं से संबंधित भारतीय कानूनों पर डॉ विक्रम करुणा, सहायक प्राध्यापक, स्कूल ऑफ लॉ द्वारा एक विचारोत्तेजक भाषण दिया गया, जिसमें बालिकाओं के सामने आने वाले विभिन्न मुद्दों और चुनौतियों पर प्रकाश डाला गया जैसे संपत्ति के अधिकार, स्त्रीधन, यौन उत्पीड़न, घरेलू हिंसा और गर्भपात के अधिकार सहित अन्य और बालिका अधिकार। कार्यक्रम में प्रथम वर्ष की छात्राओं तरनी और दिव्यांशी द्वारा मधुर संगीत प्रस्तुति की गयी और रिद्धिमा द्वारा सुंदर कविता पाठ किया गया, जिसने छात्राओं की प्रतिभा और रचनात्मकता को प्रदर्शित किया । कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण मलाला यूसुफजई की कहानी से प्रेरित एक साक्षात्कार नाटक था, जिसमें छात्राओं प्राप्ति और शांभवी ने न केवल उनकी प्रेरक यात्रा पर प्रकाश डाला, बल्कि लड़कियों को अपनी आवाज उठाने और अपने अधिकारों के लिए प्रयास करने के लिए भी प्रोत्साहित किया। इसके अलावा, लड़कियों को किसी भी स्थिति में अधिक सशक्त और आत्मविश्वास महसूस करने में मदद करने के लिए एक आत्मरक्षा तकनीक सत्र आयोजित किया गया, जिसमें प्रो. बोनो क्लब के सदस्यों ने छात्राओं और महिलाओं के आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम का कैंपस ड्राइव चलाया। जिसे छात्रा राघव पाठक (बॉक्सिंग एक्स्पर्ट) और गौरी राना (मार्शल आर्ट्स एक्स्पर्ट) द्वारा कुशलता पूर्वक दर्शाया गया ।

इसके अतिरिक्त लैंगिक भूमिकाओं को पुनर्परिभाषित करने वाली एक वीडियो क्लिप भी दिखाई गई, जिसमें कार्य निर्धारण को लेकर लैंगिक समानता की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया।

इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ. संतोष कुमार तिवारी, सांस्कृतिक समिति की अध्यक्ष डॉ. प्रियंका सिंह, संकाय के अन्य शिक्षकगण डॉ. ममता शर्मा , डॉ. रमा शर्मा, डॉ. अक्षय सिंह, डॉ.सतीश चंद्रा, डॉ. प्रकाश चंद्र दिलारे ,डॉ. पूनम वर्मा, डॉ. सुमित्रा हुईड्रोम , डॉ. सी. बी भरास, श्री सागर, श्री हबीब, सुश्री सौम्या, सुश्री सुजाता, डॉ. अनीता सिंह तथा डॉ अखिलेश यादव तथा कार्यक्रम की संचालक प्रथम वर्ष की छात्राएँ पलक और सौम्या सहित संकाय के विद्यार्थियों ने वैदिक काल से लेकर वर्तमान सांविधानिक और विधिक प्रावधानों, विभिन्न संवैधानिक संशोधनों तथा केंद्र सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों के संदर्भ में भारतीय महिलाओं की स्थिति पर विचार-विमर्श किया ।

****

एनसीसी कैडेट मानसी

एनसीसी कैडेट मानसी का गणतंत्र दिवस कैंप (आरडीसी) के लिए चयन : गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय की बीएससी केमिस्ट्री ऑनर्स की छात्रा और 31 यूपी गर्ल्स बटालियन की एनसीसी कैडेट मानसी का चयन दिल्ली में गणतंत्र दिवस समारोह 2025 के दौरान होने वाले गार्ड ऑफ ऑनर के लिए हुआ था। मानसी को गणतंत्र दिवस कैंप (आरडीसी) 2025 के लिए उत्तर प्रदेश (यूपी) दल से चुना गया था। वह 31 यूपी गर्ल्स बटालियन से गार्ड ऑफ ऑनर के लिए चुनी जाने वाली एकमात्र कैडेट हैं तथा प्रशिक्षण के लिए दिल्ली में होने वाले एक महीने के गणतंत्र दिवस कैंप (आरडीसी) में शामिल हुईं। जीबीयू की एनसीसी सीटीओ डॉ. भावना जोशी ने कहा कि मानसी का आरडीसी के लिए चयन होना विश्वविद्यालय के लिए अत्यंत गर्व का विषय है और यह पहली बार है कि विश्वविद्यालय के एनसीसी कैडेट का इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय स्तर के कैंप के लिए चयन हुआ है। उन्होंने यह भी बताया कि गणतंत्र दिवस कैंप में शामिल होना हर कैडेट का सपना होता है और देश भर से चंद सौभाग्यशाली कैडेट्स को ही यह मौका मिलता है। आरडीसी में शामिल होने के लिए कैडेट्स एक लंबी और कठिन चयन प्रक्रिया से गुजरते हैं। सबसे पहले बटालियन से सर्वश्रेष्ठ कैडेट्स इंटर बटालियन चयन में हिस्सा लेते हैं । इसके बाद निदेशालय स्तर पर इंटर ग्रुप कैंपस (आईजीसी) में चयन प्रक्रिया में प्रतिभाग करते हैं जिसमें तीन स्तर का प्रशिक्षण और चयन होता है । इसके बाद अंतिम रूप से चयनित कैडेट्स को प्रीआरडीसी में चयन प्रक्रिया से आरडीसी के लिए चुना जाता है।

****

ध्वजारोहण के समय कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा तथा अन्य

76वें गणतंत्र दिवस : 26 जनवरी को गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में 76वें गणतंत्र दिवस का आयोजन हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा ने ध्वजारोहण कर स्वयं को तथा विश्वविद्यालय को गर्वान्वित किया। इस गरिमामयी कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षकगण, कर्मचारी और छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहें। कार्यक्रम की शुरुआत एनसीसी कैडेट्स और सुरक्षा कर्मियों द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर के साथ हुई। इसके बाद कुलपति रवीन्द्र कुमार सिन्हा ने राष्ट्र को संबोधित करते हुए गणतंत्र दिवस के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि संविधान में निहित न्याय, समानता और बंधुत्व के आदर्श गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में भी पूरी निष्ठा से पालन किए जा रहे हैं और विश्वविद्यालय ने इन्हीं आदर्शों के अनुरूप एक उत्कृष्ट शैक्षिक और सांस्कृतिक माहौल निर्मित किया है। कुलपति ने भारत के ऐतिहासिक उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए गणतंत्र दिवस के साथ जुड़े लाहौर अधिवेशन और पूर्ण स्वराज की महत्ता पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि भारत ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और वैज्ञानिक तथा तकनीकी क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है। इस दौरान पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के विचारों को उद्धृत करते हुए उन्होंने छात्रों को प्रेरित किया। कुलपति ने विश्वविद्यालय की विभिन्न उपलब्धियों को साझा करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय ने शैक्षिक, अनुसंधान और औद्योगिक साझेदारी में नए मील के पत्थर स्थापित किए हैं ।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. विश्वास त्रिपाठी ने अपने वक्तव्य में देश के बलिदानियों को याद किया । इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने संगीत से देश भक्ति का शमा बाँध दिया ।

****

वित्त अधिकारी के सेवानिवृत्त होने पर विदाई समारोह

वित्त अधिकारी के सेवानिवृत्त होने पर विदाई समारोह : 31 जनवरी को गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी श्री नीरज कुमार अपने लगभग तीन वर्षों की सेवा के बाद सेवानिवृत्त हो गए। विश्वविद्यालय में अपनी सेवा से पूर्व वे उत्तर प्रदेश सरकार के विभिन्न विभागों में कार्यरत रहें तथा उन्होंने मुख्य कोषाधिकारी के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने वित्तीय प्रशासन में महत्वपूर्ण योगदान दिया और कई बार अपनी नियमित जिम्मेदारियों से आगे बढ़कर कार्यों को संपन्न किया। वे शीर्ष प्रशासन से लेकर अधीनस्थ कर्मियों तक सभी के लिए सहज उपलब्ध रहें, जिससे उनके कार्यशैली की व्यापक सराहना हुई।

सेवानिवृत्ति के अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. विश्वास त्रिपाठी ने अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं। शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. एन. पी. मलकानिया, प्रो. श्वेता आनंद, डॉ. विवेक मिश्रा, डॉ. मनमोहन सिंह, डॉ. सुशील कुमार, डॉ. नीता सिंह, डॉ. बनर्जी, डॉ. अमित अवस्थी, ऋचा

वाधवार, डॉ. सुरूचि, नीतू सिंह, डॉ. संदीप द्विवेदी, मुदित, अमित, शिव खत्री सहित समारोह में उपस्थित समस्त कर्मचारी एवं अधिकारियों ने उनके कार्यों की सरहाना करते हुए शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर श्री नीरज कुमार ने भी अपने अनुभव साँझा किए।

****

हवन करते हुए अभिरक्षिकाएँ तथा छात्राएँ

बसंत पंचमी तथा सरस्वती पूजा : 2 फरवरी को बसंत पंचमी के उत्सव पर महिला छात्रावासों की छात्राओं द्वारा माँ सरस्वती की पूजा तथा हवन का आयोजन किया गया । इस अवसर पर समस्त छात्रावासों की छात्राओं तथा अभिरक्षिकाओं ने हवन में भाग लिया तथा बसंतोत्सव का आवाह्न किया ।

****

डिकोडिंग ट्रांसक्रिप्टोमिक्स' कार्यशाला

डिकोडिंग ट्रांसक्रिप्टोमिक्स' पर कार्यशाला : 4 से 8 फरवरी तक जैव प्रौद्योगिकी संकाय द्वारा 'डिकोडिंग ट्रांसक्रिप्टोमिक्स: ए कम्प्रिहेंसिव हैंड्स-ऑन वर्कशॉप ऑन एनजीएस टूल्स एंड टेक्नीक्स' कार्यशाला का आयोजन हुआ, जिसमें सेंटाइल बायोटेक कॉपोरेशन, कंप्यूटजीनोमिक्स, जेनोमिक्स बायोलैब और सोलरेसलैब प्रमुख सहयोगी रहें। इस कार्यशाला का उद्देश्य ट्रांसक्रिप्टोमिक्स और नेक्स्ट-जनरेशन सीक्वेंसिंग की मूलभूत अवधारणाओं, ट्रांसक्रिप्टोम डेटा अधिग्रहण, जीन अभिव्यक्ति विश्लेषण, वेरिएंट कॉलिंग और इस क्षेत्र में उभरती हुई नवीनतम तकनीकों की जानकारी देना था। इसके अलावा प्रतिभागियों को हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण प्रदान कर व्यावहारिक अनुभव से लैस करना इस कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रहा। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं कंप्यूटजीनोमिक्स के संस्थापक श्री कपिल रवि ने केयर मॉडल की व्याख्या की, जो प्राकृतिक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के संयोजन को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि “प्राकृतिक बुद्धिमत्ता न केवल AI से श्रेष्ठ है, बल्कि यह उसकी सबसे अच्छी सहयोगी भी है।” उन्होंने स्मार्ट-वन (सीक्वेंस एंड मेटा-एनालिसिस रिसर्च टूलकिट) प्लेटफ़ॉर्म का परिचय दिया, जो क्लीनिकल सेटिंग्स में जीनोमिक डेटा विश्लेषण को आसान बनाने के लिए विकसित किया गया है।

इस कार्यशाला में प्रतिष्ठित विशेषज्ञों श्री कपिल रवि (कंप्यूट जीनोमिक्स), डॉ. अक्षय दिनेश और पियूष तिवारी (सेंटाइल बायोटेक), डॉ. होमिरा सोनहा (केंद्रीय विश्वविद्यालय हरियाणा), डॉ. वजिंद्र कुमार (सोलरेस रिसर्च लैब) और डॉ. भीम प्रताप सिंह (निफ़टेम, सोनीपत) ने एनजीएस -आधारित जीनोमिक्स, पर्सनलाइज़्ड हेल्थकेयर, दुर्लभ रोगों के निदान जैसे विषयों में अपने गहन ज्ञान और अनुभवों को साझा किए। जैव प्रौद्योगिकी संकाय के अधिष्ठाता प्रो. एन.पी. मल्कानिया ने अकादमिक और उद्योग के आपसी सहयोग की भूमिका पर बल देते हुए अनुसंधान एवं विकास को इससे जोड़ने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ज्ञान और कौशल का सही मिश्रण व्यक्तिगत, व्यावसायिक और राष्ट्रीय विकास के लिए आवश्यक है। जैव प्रौद्योगिकी संकाय के फेकल्टी डॉ. विक्रांत नैन ने इस कार्यशाला की रूपरेखा, जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र में आने वाली चुनौतियों, डिजिटल इनोवेशन और उन्नत कम्प्यूटेशनल टूल्स के महत्व पर प्रकाश डाला।

डॉ. दीपाली सिंह, डॉ. रेखा पुरिया, डॉ. प्रदीप तोमर और डॉ. मीनाक्षी चौधरी सहित अन्य फेकल्टीज ने ट्रांसक्रिप्टोमिक्स और एनजीएस टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में व्यावहारिक प्रशिक्षण के साथ-साथ विशेषज्ञों से नवीनतम शोध और उद्योग-आधारित रणनीतियों पर चर्चा किया।

****

डॉ. मनमोहन सिंह सिसोदिया रमाबाई अम्बेडकर की प्रतिमा को पुष्प अर्पित करते हुए

रमाबाई अम्बेडकर जयंती : 7 फरवरी को रमाबाई अम्बेडकर महिला छात्रावास में रमाबाई अम्बेडकर जयंती मनाई गयी । इस अवसर पर छात्राओं ने नृत्य तथा संगीत प्रस्तुत किया तथा रमाबाई अम्बेडकर के जीवन पर भाषण प्रस्तुत किया । इस अवसर डॉ. मनमोहन सिंह सिसोदिया, अधिष्ठाता, छात्र कल्याण ने रमाबाई के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर के जीवन में रमाबाई के योगदान पर विस्तार से चर्चा की । पुरूष छात्रावास के मुख्य अभिरक्षक डॉ. सुभोजित बनर्जी, रमाबाई अम्बेडकर महिला छात्रावास

की अभिरक्षिकाओं डॉ. रेनू यादव तथा डॉ. बिपाशा सोम ने महिला सशक्तिकरण पर बातचीत की ।
इस अवसर पर छात्रावास में विभिन्न कमिटियों में सर्वोत्तम कार्य करने वाली छात्राओं को तथा संगीत, नृत्य तथा कला प्रतियोगिता में विजेता छात्राओं को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया ।

****

रक्तदान करते हुए छात्र

मेगा रक्तदान शिविर : 7 फरवरी को गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में एन.एस.एस. टीम ने स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के परिसर में लक्ष्मी नारायण मंदिर चैरिटेबल ट्रस्ट के श्री अशोक गुप्ता जी, एन.एस.एस. कार्यक्रम समन्वयक डॉ. जे. पी. मुयाल और कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अजय कंसल के समन्वयन में एक मेगा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय के शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिविर में जिम्स, ग्रेटर नोएडा की टीम ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई, जिससे रक्तदान के इस नेक कार्य को और भी मजबूती मिली।
इस रक्तदान शिविर में डॉ. प्रियंका गोयल और डॉ. विभावरी, विश्वविद्यालयों के छात्रों और कर्मचारियों द्वारा सामाजिक योगदान की एक शानदार मिसाल पेश किया, जो राष्ट्रीय सेवा के प्रति विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ किया।

****

राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल के ठीक पीछे एनसीसी कैडेट यूओ मानशी

आरडीसी-2025 के सफल समापन के बाद एनसीसी कैडेट यूओ मानशी : आरडीसी-2025 के सफल समापन के बाद गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय की स्वर्ण पदकधारी एनसीसी कैडेट यूओ मानशी (अपने गवर्नर के स्वर्ण पदक के साथ) यूपी की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल के साथ गर्वान्वित हुए । यह ध्यातव्य है कि जीबीयू की 31 यूपी गर्ल्स बटालियन की एनसीसी कैडेट मानसी गणतंत्र दिवस समारोह में शामिल हुईं । वे 31 यूपी गर्ल्स बटालियन के लिए चुनी जानी वाली एकमात्र कैडेट हैं ।

प्रो. श्वेता आनंद के साथ अन्य

गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के छात्रों ने रिजर्व बैंक ऑफ़ इंडिया का किया भ्रमण : गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के छात्रों ने रिजर्व बैंक ऑफ़ इंडिया, नई दिल्ली का दौरा किया। इस दौरे में कुल 40 छात्रों और 3 शिक्षकों ने भाग लिया, जिनमें डॉ. श्वेता आनंद, डॉ. विनय लिटोरिया और असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. नवीन कुमार प्रमुख थे।
प्रबंधन संकाय के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. नवीन कुमार ने बताया कि "इस भ्रमण का उद्देश्य छात्रों को रिजर्व बैंक के कार्यों और इसकी कार्यप्रणाली से परिचित कराना था, ताकि वे मौद्रिक नीति, मुद्रास्फीति नियंत्रण, ब्याज दरों और देश की मुद्रा के प्रबंधन में आरबीआई की महत्वपूर्ण भूमिका को समझ सकें।"
रिजर्व बैंक के प्रतिनिधियों ने छात्रों को आरबीआई के कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान अदिति गुप्ता (डिप्टी जीएम, एफआईडीडी), मयूर पांडे, पूनम नैय्यर, विकास त्यागी और बाबासागर जैसे प्रमुख अधिकारियों ने छात्रों से संवाद किया और उन्हें मौद्रिक नीति, मुद्रा प्रबंधन और वित्तीय समावेशन के बारे में बताया। भ्रमण के दौरान छात्रों को यह समझने का अवसर मिला कि रिजर्व बैंक किस प्रकार देश की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के लिए किन उपायों का पालन करता है। विशेष रूप से, छात्रों को मौद्रिक नीति के महत्व और मुद्रा प्रबंधन के कार्यों के बारे में गहरी समझ प्राप्त हुई। यह भ्रमण छात्रों के लिए ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रहा।

****

विधिक जागरूकता अभियान : 14 फरवरी को प्रो. बोनो क्लब के न्याय बंधु और निःशुक्ल विधिक सहायता केन्द्र, जीबीयू के विधि छात्रों ने स्थानीय ग्राम जगनपुर का दौरा किया तथा ग्रामीणों को विधिक जागरूकता प्रदान किया । इस अभियान का उद्देश्य ग्रामीणों को उनके अधिकारों के प्रति सचेत करना और निःशुल्क विधिक सहायता की जानकारी देना था ।
लॉ स्कूल के संकायाध्यक्ष डॉ. के.के. द्विवेदी ने इस अभियान के लिए हरी झंडी दिखाते हुए विभागाध्यक्ष डॉ. संतोष कुमार तिवारी सहित विधि संकाय के छात्र-छात्राओं को विभिन्न विधिक गतिविधियों के लिए ग्राम जगनपुर जाने की अनुमति प्रदान की । इस दौरान छात्रों ने ग्रामीणों को विधि के विभिन्न पहलूओं से अवगत कराया और उन्हें यह जानकारी दी कि वे कानूनी सहायता कैसे प्राप्त कर सकते हैं ?

इस कार्यक्रम के समन्वयक लॉ की प्राध्यापिका डॉ. अनीता यादव और डॉ. सौम्या बरनवाल रहें । उनकी देखरेख में छात्रों ने ग्रामीणों को उनके विधिक अधिकारों की जानकारी दी और उन्हें जागरूक करने करने लिए सत्र आयोजित किए ।

****

प्रवासी मजदूरों को दान करते हुए

दान अभियान : समाज कार्य विभाग ने गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के अंदर कार्यरत् प्रवासी मज़दूरों के लिए 15 फरवरी को दान अभियान का सफल आयोजन किया । दान अभियान के दौरान समाज कार्य विभाग के संकाय सदस्य डॉ. राहुल कपूर और समाज कार्य विभाग के छात्र ब्राइटसन और संतोष भी मौजूद रहें ।

इस अभियान में समाज कार्य विभाग के छात्रों ने डोनेशन बॉक्स के ज़रिये विश्वविद्यालय के छात्रों और कर्मचारियों से सर्दी के कपड़े, बैग, जूते, चादरें तथा अन्य सामग्री एकत्रित किए, जो कि निर्माण स्थल पर ही प्रवासी मज़दूरों में वितरित की गयीं ।

****

सेहत के लिए योग और माइंडफुलनेस मेडिटेशन पर 10-दिवसीय बेसिक हाइब्रिड मोड पर कार्यक्रम : 17 फरवरी से योगा एवं ध्यान क्लब तथा गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय द्वारा सेहत के लिए योग और माइंडफुलनेस मेडिटेशन पर 10-दिवसीय बेसिक हाइब्रिड मोड पर कार्यक्रम आयोजित किया गया । आज की तेज़ रफ़्तार दुनिया में स्वास्थ्य हेतु यह परिवर्तनकारी यात्रा, मन और शरीर में सामंजस्य स्थापित करने के लिए सावधानीपूर्वक डिज़ाइन की गई, जो मन और चेतना, लचीलापन, आत्म-जागरूकता और समग्रता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है । इस कार्यक्रम का उद्देश्य शारीरिक कल्याण, मानसिक लचीलापन, भावनात्मक संतुलन के लिए योग आसन, प्राणायाम (साँस लेना), माइंडफुलनेस मेडिटेशन संबंधी योग और माइंडफुलनेस मेडिटेशन में ज्ञान और व्यावहारिक कौशल की मूलभूत जानकारी प्रदान जानकारी प्रदान करना था ।

****

जीवन कौशल प्रशिक्षण

जीवन कौशल प्रशिक्षण : एलियोस मैनेजमेंट कंसल्टिंग लिमिटेड द्वारा 18.02.2025 से 21.02.2025 तक स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के छात्रों के लिए एक जीवन कौशल प्रशिक्षण आयोजित किया गया था, यह प्रशिक्षण अंतिम वर्ष के यूजी और पीजी छात्रों को आवश्यक जीवन और पेशेवर कौशल से लैस करने, उनकी रोजगार क्षमता और कैरियर की संभावनाओं को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया था।

****

शिवाजी महाराज जयंती पर डॉ. अक्षय कुमार के साथ विद्यार्थी

शिवाजी महाराज जयंती कार्यक्रम : 19 फरवरी को श्री नारायण गुरू छात्रावास के तत्वावधान में शिवाजी महाराज जयंती कार्यक्रम का आयोजन हुआ । इस अवसर पर अभिरक्षक डॉ. अक्षय कुमार सिंह ने शिवाजी महाराज को स्मरण करते हुए उनके जीवन में संघर्षों और शौर्य पर प्रकाश डाला तथा छात्रावास के छात्रों ने शिवाजी के जीवन पर विचार-विमर्श किया ।

****

'मेरा युवा भारत और डिजिटल साक्षरता' अभियान पर स्वयंसेवक

राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS)यूनिट : 19 से 25 फरवरी तक 1के सात दिवसीय शिविर मुख्यतः युवाओं में डिजिटल साक्षरता एवं साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता अभियान के लिए समर्पित रहा। स्वयंसेवकों ने ग्राम जगनपुर में प्राथमिक विद्यालय में डिजिटल साक्षरता की प्रेरणा से ओतप्रोत अनेक चित्र तैयार किए और तत्पश्चात इन हस्तनिर्मित चित्रों के साथ गांव में रैली के रूप में विभिन्न प्रेरक नारे लगाते हुए अनेक विद्यार्थियों ने घर घर जाकर गांव के निवासियों से बातचीत कर उन परिवारों की शैक्षिक जानकारी एकत्रित की और उन्हें अपने बालकों को पूर्ण रूप से शिक्षित करने हेतु प्रेरित किया, ग्रामीणों की शिक्षा ग्रहण करने में आने वाली संरचनागत, सामाजिक और आर्थिक समस्याओं को जाना। विद्यार्थियों का मार्गदर्शन गौतम बुद्ध विश्विद्यालय के प्राध्यापक व कार्यक्रम अधिकारी डॉ अजय कंसल व डॉ अल्पा यादव ने किया। इस कार्य में प्राथमिक विद्यालय की शिक्षिकाओं श्रीमती प्रदीप्ता जी और सोनी गुप्ता जी का विशिष्ट योगदान रहा। यह कार्य राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ जे. पी. मुयाल जी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। यह शिविर 'मेरा युवा भारत और डिजिटल साक्षरता' के मंतव्य के साथ कार्य कर रहा है।

बायें से डॉ. शक्ति शाही, डॉ. बी.पी. सिंह, डॉ. अमरेन्द्र कुमार अजीत, श्रीमती निशी शबाना

बौद्धिक संपदा अधिकारों पर राष्ट्रीय जागरूकता कार्यक्रम : गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के आईपीआर सेल द्वारा बौद्धिक संपदा अधिकारों पर राष्ट्रीय जागरूकता कार्यक्रम 21 फ़रवरी को सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. जी.आर. राघवेंद्र, भारत सरकार के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के डीपीआईआईटी के एक वरिष्ठ वैज्ञानिक ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और आईपी: भारत में पेटेंट, कॉपीराइट और स्वामित्व विषय पर प्रकाश डाला, जो इस उभरते क्षेत्र और बौद्धिक संपदा अधिकारों के साथ इसके संबंधों पर मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करता है जिससे आईपी अधिकारों की सुरक्षा के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा हुई । कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग की प्रसिद्ध वैज्ञानिक (टी आइ एफ ए सी), डॉ. संगीता नागर ने अपने बीज वक्तव्य में विश्व में पेटेंट दाखिल करने के परिदृश्य के बारे में जानकारी दी तथा उन्होंने बताया कि बौद्धिक पेटेंट भी एक संपत्ति है और इस तथ्य पर प्रकाश डाला गया कि फीस में कटौती के बाद शैक्षणिक संस्थानों द्वारा पेटेंट दाखिल करने में वृद्धि हुई है।2023-24 में भारत द्वारा लगभग 1 लाख भुगतान आवेदन दाखिल किए गए हैं। उन्होंने बताया कि बौद्धिक संपदा अधिकार अनुसंधान एवं विकास को प्रोत्साहित करता है ,फंडिंग और साझेदारी को आकर्षित करता है तथा प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और व्यावसायीकरण में भी सहायक सिद्ध होता है। उन्होंने शैक्षणिक संस्थानों में नवाचार और रचनात्मकता को संरक्षित और बढ़ावा देने में आईपीआर के महत्व पर भी प्रकाश डाला। आईपीआर मुद्दों और जैव प्रौद्योगिकी नवाचारों में चुनौतियों पर दिल्ली विश्वविद्यालय के फ़ैकल्टी ऑफ लॉ के सदस्य डॉ. अमरेंद्र कुमार अजित द्वारा चर्चा की गई जिसमें उन्होंने जैव प्रौद्योगिकी नवाचारों में आईपीआर मुद्दे और चुनौतियाँ, क्या पेटेंट कराया जा सकता है और जैव प्रौद्योगिकी नवाचारों के संबंध में भारतीय पेटेंट अधिनियम के तहत क्या अपवाद हैं , जैव प्रौद्योगिकी नवाचारों में एआई का उपयोग, न्यूटालिंक परियोजना, नैनो-रोबोटिक सर्जरी और चिकित्सा ,सिंथेटिक डीएनए का नया प्रयोग, शरीर के अंगों की एआई और 3डी प्रिंटिंग विषय पर जानकारी दी। इस कार्यक्रम के संयोजक तथा गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के विधि संकाय के विभाग्याध्यक्ष डॉ. संतोष कुमार तिवारी ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य शैक्षणिक संस्थानों के बीच आईपीआर के बारे में जागरूकता बढ़ाना और उन्हें आज की प्रतिस्पर्धी दुनिया में अपनी बौद्धिक संपदा की रक्षा के लिए आवश्यक ज्ञान से लैस करना था ।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. विश्वास त्रिपाठी ने आईपीआर सेल की प्रभावशाली सक्रियता के लिए प्रोत्साहन दिया । शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. एन.पी. मलकानिया ने आईपीआर के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला । आईपीआर सेल की नोडल अधिकारी डॉ. शक्ति शाही ने आज की वैश्वीकृत दुनिया में बौद्धिक संपदा अधिकारों को समझने और उनकी रक्षा करने के महत्व पर जोर दिया।

बौद्धिक संपदा संरक्षण की जटिलता को सुलझाने पर आयोजित पैनल चर्चा आयोजित में भारत सरकार के बौद्धिक संपदा अपीलीएट बोर्ड के पूर्व प्रभारी अध्यक्ष डॉ. बीपी सिंह और सुश्री निशी शबाना, ल्यूम लीगल, गुड़गांव की संस्थापक की अंतर्दृष्टि शामिल थी। इस चर्चा में तेजी से विकसित हो रहे वैश्विक परिदृश्य में बौद्धिक संपदा की रक्षा के लिए आवश्यक चुनौतियों, अवसरों और अनुकूलन पर प्रकाश डाला गया । इस अवसर पर डॉ. विक्रांत नैन, डॉ. विनय लिटोरिया, डॉ तन्वी वत्स, डॉ. पूनम वर्मा, डॉ. प्रकाश चंद्र दिलारे ,डॉ. प्रियंका सिंह, डॉ. विक्रम करुणा, डॉ. अनिता यादव, डॉ. अखिलेश, डॉ सी. बी भरास, डॉ भास्वती बनर्जी, डॉ आशा पांडेय, डॉ नितिन सोनकर सहित छात्रा-छात्राओं ने चर्चा का उठाया।

****

अंतर्राष्ट्रीय भाषा दिवस

अंतर्राष्ट्रीय भाषा दिवस : 21 फरवरी को स्कूल ऑफ लॉ, जस्टिस एंड गवर्नेन्स के सांस्कृतिक समिति ने अंतर्राष्ट्रीय भाषा दिवस बड़े उत्साह और उमंग के साथ मनाया। इस अवसर पर डॉ. प्रियंका सिंह, सहायक प्राध्यापिका ने हिंदी भाषा के इतिहास, महत्व और उपयोगिता पर विचारोत्तेजक वक्तव्य दिया। इस कार्यक्रम में छात्र छात्राओं ने विभिन्न साहित्यिक विधाओं जैसे कहानी-पाठ, कविता, शायरी और ग़ज़ल सुनाकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बीए एलएलबी प्रथम वर्ष की छात्राओं पलक, अवनि और गार्गी ने अपनी रचनात्मक कहानियों का पाठ तथा राघव, राधिका और ज्योति के कविता-पाठ कर दर्शकों को अपने शक्तिशाली शब्दों और भावनाओं से मंत्रमुग्ध कर दिया। इस कार्यक्रम में फ़ैज़ अहमद फ़ैज़, बशीर बद्र

और दुष्यंत कुमार जैसे प्रसिद्ध उर्दू कवियों को उनकी शायरी और ग़ज़लों की सुंदर प्रस्तुतियों के माध्यम से श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम में अधिष्ठाता डॉ. के.के. द्विवेदी और विभागाध्यक्ष डॉ. संतोष कुमार तिवारी, डॉ. प्रकाश चंद्र दिलारे, डॉ. अखिलेश और डॉ अनिता यादव सहित छात्र-छात्राओं ने देश के विविध भाषाई और सांस्कृतिक परिदृश्य पर विचार-विमर्श किया ।

****

सुत्तपिटक पालि में बौद्ध दर्शन का सामाजिक-नैतिक दृष्टिकोण' विषय पर कार्यशाला

सुत्तपिटक पालि में बौद्ध दर्शन का सामाजिक-नैतिक दृष्टिकोण विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला : 24-25 फरवरी को बौद्ध अध्ययन एवं सभ्यता संकाय और भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में 'सुत्तपिटक पालि में बौद्ध दर्शन का सामाजिक-नैतिक दृष्टिकोण' विषय पर दो-दिवसीय कार्यशाला का आयोजन हुआ। इस कार्यशाला के प्रमुख वक्ता बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के प्रो. बिमलेन्द्र कुमार व विशिष्ट अतिथि प्रो.सी.उपेन्द्र राव (जेएनयू) ने पालि भाषा के महत्व पर प्रकाश डाला। किया। प्रो. बिमलेन्द्र कुमार ने कहा कि वैश्वीकरण के दौर में पालि साहित्य में विद्यमान विद्याओं की जानकारी आवश्यक है। विशेष रूप से पाँच महाविद्याओं में अध्यात्म विद्या को विकसित करना आवश्यक है। प्रो. सी. उपेन्द्र राव ने पालि साहित्य में निहित विद्या की अवधारणा पर चर्चा करते हुए गौतमबुद्ध की शिक्षाओं की वर्तमान समय में उपयोगिता को रेखांकित किया । प्रो. हरिशंकर प्रसाद ने नैतिकता आधारित जीवन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि गौतम बुद्ध की शिक्षाएँ आधुनिक जीवन के नैतिक आचरण में सहायक सिद्ध हो सकती हैं। प्रो. एम. वी. राम रत्नम ने कहा कि समकालीन समस्याओं के समाधान हेतु बुद्ध की शिक्षाओं को केस स्टडी के रूप में अपनाया जा सकता है, विशेष रूप से सुत्तपिटक में वर्णित सिद्धांतों के आधार पर। जीबीयू के कुलसचिव डॉ. विश्वास त्रिपाठी ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में पालि साहित्य में वर्णित बौद्ध दर्शन की प्रासंगिकता पर अपने विचार रखे।

****

कुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह का स्वागत करते हुए डॉ. विश्वास त्रिपाठी

प्रो. राणा प्रताप सिंह ने गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति का पदभार संभाला : 25 फरवरी से प्रो. राणा प्रताप सिंह ने गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में कुलपति के रूप में पदभार ग्रहण कर लिया है। प्रो. सिंह एक प्रख्यात शिक्षाविद, शोधकर्ता और प्रशासक हैं, जिनके पास शिक्षण का 24 से अधिक वर्षों का अनुभव और 31 वर्षों का विशेष रूप से कैंसर जीवविज्ञान, ट्यूमर थेरेप्यूटिक्स और समग्र चिकित्सा के क्षेत्र में शोध अनुभव है।

****

पुरस्कार / सम्मान

रिसर्च एक्सीलेंस अवार्ड 2023 : गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय में विश्व स्तरीय रिसर्च को प्रोत्साहित करने के लिए एक नए कदम की शुरुआत की गई है। विश्वविद्यालय में 2023 शैक्षिक वर्ष में जिन संकाय सदस्यों एवं रिसचर्स ने विश्व स्तरीय उत्कृष्ट पत्रिकाओं में सर्वाधिक अंतरराष्ट्रीय स्तर के उच्च मानक के रिसर्च प्रकाशित किए हैं, उन्हें विश्वविद्यालय द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार दिए गए हैं। विश्वविद्यालय के कुल सचिव डॉक्टर विश्वास त्रिपाठी एवं डॉक्टर रेखा पुरिया द्वारा अंतरराष्ट्रीय स्तर के सर्वाधिक रिसर्च पेपर प्रकाशित किए गए। डॉ. विश्वास त्रिपाठी कोविद-19 के दौरान कोरोना पर अपने उत्कृष्ट शोध कार्य हेतु पुरस्कृत किया जा चुके हैं।

कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा डॉ. विश्वास त्रिपाठी को प्रमाण-पत्र प्रदान करते हुए

रिसर्च एक्सीलेंस अवार्ड हेतु शोध पत्रों के विवरण के चयन की प्रक्रिया में विश्वविद्यालय द्वारा नोटिफिकेशन के माध्यम से सभी रिसर्चर से आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए तथा प्राप्त आवेदन पत्रों का एक उच्च स्तरीय समिति द्वारा गहन परीक्षण करते हुए निर्धारित मानकों को पूर्ण करने वाले कुल आठ रिसर्चर का चयन किया गया। उक्त रिसर्च अवॉर्ड में 1 वर्ष में अधिकतम तीन अंतरराष्ट्रीय स्तर के रिसर्च शोध पत्र गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. विश्वास त्रिपाठी को प्राप्त हुआ। साथ ही डॉ. रेखा पुरिया, डॉ. जितेंद्र सिंह राठौड़, डॉ. विवेक शुक्ला, डॉ. विदुषी शर्मा, डॉ. कीर्ति पाल, डॉ. शिव शंकर को भी रिसर्च एक्सीलेंस अवार्ड से पुरस्कृत किया गया।

****

स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी को मिला 'आईएसडीसी इंटरनेशनल एक्सीलेंस अवार्ड' : 17 फरवरी को नई दिल्ली स्थित प्रतिष्ठित इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में इंटरनेशनल स्किल डेवलपमेंट काउंसिल (ISDC) द्वारा आयोजित प्रथम स्किल डेवलपमेंट एवं रिसर्च इनोवेशन समिट का भव्य उद्घाटन किया गया। इस समिट की थीम रहा – 'स्किल डेवलपमेंट एवं रिसर्च इनोवेशन में बदलते आयाम और वैश्विक स्तर पर अंतर को पाटने की दिशा में कदम'। समिट के समापन अवसर पर स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय को आईएसडीसी इंटरनेशनल एक्सीलेंस अवार्ड – "बेस्ट बायोटेक रिसर्च इंस्टीट्यूट इन इंडिया" से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार विश्वविद्यालय के कौशल विकास और अनुसंधान क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान को मान्यता देते हुए दिया गया। इस

डॉ. नवीन कुमार और डॉ. जे.पी. मुयाल 'आईएसडीसी इंटरनेशनल एक्सीलेंस अवार्ड' प्राप्त करते हुए

पुरस्कार को स्कूल ऑफ बायोटेक्नॉलॉजी के प्रतिनिधि के रूप में डॉ. नवीन कुमार और डॉ. जे.पी. मुयाल ने ग्रहण किया। यह उपलब्धि विश्वविद्यालय के छात्रों और शिक्षकों के लिए गर्व का विषय है और अनुसंधान एवं नवाचार के क्षेत्र में नए अवसरों के द्वार खोलती है। इसके अतिरिक्त, इस कार्यक्रम में स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी के लगभग 20 छात्रों ने भाग लिया, जिन्होंने पोस्टर और ओरल प्रेजेंटेशन में अपनी प्रस्तुतियाँ दीं। हरप्रीत कौर वालिया, शोध छात्र ने अपनी उत्कृष्ट प्रस्तुति के लिए द्वितीय सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार प्राप्त किया।

****

गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय को 'वर्ष 2024 का सबसे प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय' का सम्मान प्राप्त : गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय ने इस एक वर्ष में शिक्षाविदों, नेतृत्व और अनुसंधान में अभूतपूर्व उपलब्धियों के माध्यम से उच्च शिक्षा में एक प्रमुख संस्थान के रूप में अपनी स्थिति मजबूत की है। अकादमिक अंतर्दृष्टि पत्रिका द्वारा उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय को 'वर्ष 2024 का सबसे प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय' की श्रेणी में चुना गया है। विश्वविद्यालय को यह पुरस्कार 18 जनवरी 2025 को एजुकेशन एक्सीलेंस अवार्ड्स एंड समिट, बेंगलुरु में प्रदान किया गया। यह पुरस्कार विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि के रूप में स्कूल ऑफ कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी के इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. विदुषी शर्मा ने प्राप्त किया।

डॉ. विदुषी शर्मा 'वर्ष 2024 का सबसे प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय' सम्मान प्राप्त करते हुए

अंतर्राष्ट्रीय उत्कृष्टता पुरस्कार : कम्प्यूटर विज्ञान के फेकल्टी डॉ. गौरव को साइबर सुरक्षा और सुरक्षा जागरूकता के क्षेत्र में नवाचार के लिए अंतर्राष्ट्रीय उत्कृष्टता पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया । यह पुरस्कार उन्हें इंडियन इंटरनेशनल सेंटर, लोधी रोड में एक कॉन्फ्रेन्स के दौरान प्रदान किया गया ।

डॉ. गौरव पिछले पाँच वर्षों से साइबर ठगी, सुरक्षा और ऑनलाइन सावधानियों के प्रति जागरूकता अभियान चला रहे हैं । वे अब तक स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय तथा सोशल मीडिया के माध्यम से तीन लाख से अधिक लोगों तक अपनी पहुँच बना चुके हैं ।

****

डॉ. गौरव पुरस्कृत होते हुए

पुस्तक

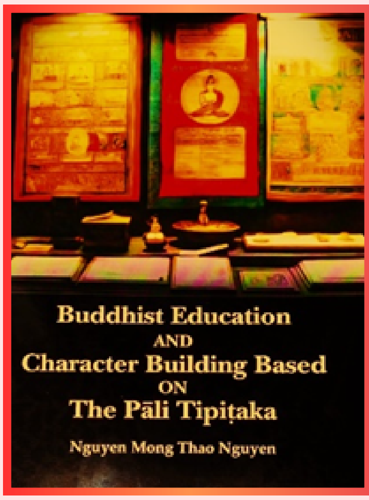

बुद्धिष्ट अध्ययन एवं सभ्यता विभाग के शोधार्थी न्गुएन मॉन्ग थाओ न्गुएन की बौद्ध दर्शन एवं धम्म पर आधारित शोध पुस्तक 'बुद्धिस्ट एजुकेशन एंड करैक्टर बिल्डिंग बेस्ड ऑन द पाली त्रिपिटक' प्रकाशित हुआ ।

****

भारतीय भाषा एवं साहित्य विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. रेनू यादव की भोजपुरी भाषा में कहानी संग्रह 'खुखड़ी' प्रकाशित हुई । जिसका लोकार्पण पुस्तक-मेला में 4 फरवरी को किया गया ।

****

पीएच.डी

जनवरी-फरवरी माह में बौद्ध अध्ययन एवं सभ्यता विभाग के छात्र न्गुयेन थी मी ची, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग के छात्रों गौरव कुमार, मन्नत चंदेल, वरूण दीक्षित, स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग के मुकुल सिंह, स्कूल ऑफ आई.सी.टी. के संदीप कुमार, स्कूल ऑफ बायोटेक के कुमारी अनीता को पीएच.डी की उपाधि प्राप्त हुई ।

प्लेसमेंट

डिक्सन टेक्नोलॉजीज (इंडिया) लिमिटेड, हाई-टेकनेक्स्ट इंजीनियरिंग एंड टेलीकॉम प्राइवेट लिमिटेड, ऐडवर्ब टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड, क्लाउड एनालॉजी सॉफ्टेक प्राइवेट लिमिटेड, पॉलीकैब इंडिया लिमिटेड, फिजिक्स वाला लिमिटेड, जंगली गेम्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, पीरामल एंटरप्राइजेज लिमिटेड (पीईएल), पीडीएम टेक्नोलॉजी ने 2024 और 2025 बैच के लिए प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित की गयी, इन प्लेसमेंट ड्राइव में 30 से अधिक छात्रों का चयन हुआ है।

संपादकीय-मंडल

प्रमुख संरक्षक : प्रो. राणा प्रताप सिंह, कुलपति, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय

संरक्षक : डॉ. विश्वास त्रिपाठी, कुलसचिव, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय

मुख्य संपादक : प्रो. बंदना पांडेय, अधिष्ठाता, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय

संपादक : डॉ. रेनू यादव, असिस्टेंट प्रोफेसर, भारतीय भाषा एवं साहित्य विभाग, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय

डिज़ाइनिंग: श्री राजकुमार, तकनीकी अधीक्षक, सीसीसी, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय

शिक्षणेत्तर सहयोगी : अमित, कार्यालय सहायक, कुलपति ऑफिस, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय

<u>नोट : यह न्यूज़ लेटर विश्वविद्यालय की गतिविधियों एवं उपलब्धियों को रेखांकित करने हेतु सूचना मात्र है, न कि कानूनी दस्तावेज़ ।</u>

गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय
नियर यमुना एक्सप्रेस-वे, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर
उत्तर प्रदेश-201312 (भारत) फ़ोन नं.: 0120-2344200